हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, शनिवार, 9 अगस्त 2025

11 'स्वच्छता' को जीवन का हिस्सा बनाने का लिया संकल्प

12 बकाया एरियर दिलाने का चेयरपर्सन ने दिया आश्वासन हड़ताल खत्म

सिर्फ हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ में फ्री रहेगी रोडवेज

अधिकांश रिश्तेदारी राजस्थान में, वहां गई तो देना होगा महिला को रोडवेज किराया

- टाइम टेबल से भी महिलाएं हो रही भ्रमित, दोपहर 12 बजे से शुरू की बजाय सुबह चार बजे होना चाहिए था टाइम, रात 12 बजे तक महिला कैसे उठाएगी फायदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार ने रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं को अपने मायका जाने और वापस आने के लिए रोडवेज बस सेवा फ्री की हुई है। यह सिलसिला कई सालों से जारी है। इसका हरियाणा के अन्य जिला के मुकाबले महेंद्रगढ़ जिला कम उठा रहा है। इसके पीछे अहम कारण यह है कि महेंद्रगढ़ जिला राजस्थान सीमा से सटा है। इस जिला की अधिकांश रिश्तेदारी राजस्थान के नजदीकी जिलों से है। सरकार ने केवल हरियाणा, दिल्ली व चंडीगढ़ जाने तक ही रोडवेज बस फ्री की हुई है। ऐसे में अगर जिला की महिला रक्षा बंधन पर्व पर राजस्थान में आवागमन करती है तो राजस्थान सीमा शुरू होते ही उन्हें बस किराया देना होगा।

यह है सरकारी आदेश

हरियाणा राज्य परिवहन महानिदेशक के पत्र का हवाला देते हुए नारनौल डिपो महाप्रबंधक मनोज शर्मा ने नारनौल डिपो के सभी परिचालकों को आदेश दिए है। इसमें कहा गया है कि रक्षा बंधन त्यौहार पर आठ अगस्त को दोपहर 12 बजे से नौ अगस्त को मध्य रात्रि 12 बजे तक महिला यात्री व उसके साथ 15 वर्ष तक के बच्चों को हरियाणा क्षेत्र, दिल्ली व चंडीगढ़ तक साधारण बसों में निशुल्क यात्रा प्रदान की जानी है। सभी परिचालक अपने वेबिल पर महिला यात्रियों एवं 15 वर्ष तक बच्चों की संख्या अंकित करें। बुकिंग इंचार्ज को आदेश दिए जाते है कि सभी परिचालकों द्वारा मुफ्त महिला यात्री एवं 15 वर्ष तक के बच्चों की पूर्ण संख्या तथा इस मुफ्त यात्रा से हुई हानि का पूर्ण विवरण यातायात शाखा में देवे ताकि इस बारे मुख्यालय को समय पर सूचना भेजी जा सके। वहीं कार्यनिरीक्षक को आदेश दिए जाते है कि आठ अगस्त को दोपहर 12 बजे से नौ अगस्त की मध्य रात्रि 12 बजे तक बसों की समुचित व्यवस्थ करें व निशुल्क यात्रा बारे परिचालकों को अवगत करवाएं।

नारनौल। बस स्टैंड पर बसों का इंतजार करती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

राजस्थान के इन क्षेत्रों में है अधिकांश रिश्तेदारी

महेंद्रगढ़ जिला हरियाणा राज्य के दक्षिण-पश्चिम छोर के अंतिम सिरे पर स्थित हैं। इसकी पश्चिम-दक्षिण की सीमाएं तथा पूर्वी सीमा का एक बड़ा भाग राजस्थान प्रदेश, पूर्व सीमा का शेष भाग हरियाणा के जिला रेवाड़ी व उत्तरी भाग दादरी जिले के साथ लगती है। सीमा नजदीक होने की वजह राजस्थान से बहरोड़, अलवर, कोटपुतली, कांवट, नीमकाथाना, सिंघाना, खेतड़ी, झुंझुनूं, चिड़ावा, पिलानी में जिला की रिश्तेदारियां है। अगर कोई महिला नारनौल से चलकर अलवर जाना है तो उसका किराया मंढाणा तक नहीं लगेगा, जैसे ही राजस्थान सीमा शुरू होगी किराया देना होगा। इस तरह अलवर से वापसी में मंढाणा तक किराया देना होगा। इस वजह से जिला की करीब 50 फीसदी महिलाओं को इस फ्री सुविधा का नाम नहीं मिल पाएगा।

क्या कहते है बस स्टैंड इंचार्ज

नारनौल बस स्टैंड इंचार्ज प्रीतम ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व पर महिला व उनके साथ 15 साल तक के बच्चों के लिए नारनौल डिपो की 150 बस ऑन रूट पर चल रही है। इनमें 67 अन्य प्रदेश को भी कवर कर रही है। 27 बस प्रदेश के अन्य जिलों में जा रही है और 37 बस ऐसी है जो ग्रामीण रूट पर है। त्यौहार को देखते हुए जिस रूट पर भीड़ होगी, वहां अतिरिक्त बस चलाई जाएगी। राजस्थान में अगर कोई बस जाती है तो उसकी सीमा शुरू होते ही किराया लिया जाएगा।

फ्री वाले समय में भी खेल

शुक्रवार आठ अगस्त को दोपहर 12 बजे महिलाओं के लिए रोडवेज बस फ्री रहेगी। दोपहर 12 बजे अधिक धूप हो जाती है। यह समय सुबह चार बजे शुरू होना चाहिए। इसी तरह नौ अगस्त को रात 12 बजे तक फ्री रहेगी। जो महिला अपने मायका या ससुराल जा रही है, रिवाज के हिसाब से अधिकांश महिला दिन ढलने से पहले चलती है तो आधी रात 12 बजे तक फ्री सेवा का लाभ नहीं ले पाएगी। नारनौल बस स्टैंड जब हरिभूमि टीम पहुंची तो वहां मौजूद महिलाओं ने एक सूर में कहा कि सरकार को चाहिए कि राजस्थान जाने के लिए भी रोडवेज बस फ्री हो और इसका समय सुबह चार बजे से अगले दिन रात नौ बजे तक हो। ऐसी मांग नायब सरकार से हम करते है।

खबर संक्षेप

रेलवे स्टेशन पर महिला से चेन स्नेचिंग

महेंद्रगढ़। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर एक महिला चोर ने एक महिला यात्री के गले से चेन तोड़ ली है। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। जीआरपी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव नांगल सिरोही निवासी हिमांशु ने बतायया कि 7 अगस्त को उसकी मां मां गायत्री दिल्ली से ट्रेन नंबर 22472 में सफर कर रही थीं। जब ट्रेन महेंद्रगढ़ स्टेशन पर रुकी और हिमांशु अपनी मां को प्लेटफार्म पर उतार रहा था, तभी भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला ने गायत्री के गले से सोने की चेन झटककर तोड़ ली और दूसरी तरफ कूदकर फरार हो गई। आरोपी महिला ने गुलाबी साड़ी पहनी हुई थी और उसके हाथ पर ओम लिखा था। पुलिस ने स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए हैं।

स्कूली बच्चों ने पेड़ पौधों को बांधी राखियां

नारनौल। अटेली मंडी स्थित विद्या देवी इंटरनेशनल स्कूल में इस वर्ष रक्षाबंधन को एक अनोखे और अर्थपूर्ण तरीके से मनाया गया। विद्यालय के नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने पर्यावरण-अनुकूल राखियां बनाकर विद्यालय परिसर के पेड़ों को बांधी और उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया। विद्यालय के बच्चों ने इस पहल के माध्यम से यह संदेश दिया कि जैसे हम अपने भाई-बहनों की रक्षा का वचन लेते हैं, वैसे ही हमें प्रकृति और पेड़ों की रक्षा का भी वादा करना चाहिए। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साह और प्रेम से भाग लिया।

नए रोडवेज जीएम का कर्मियों ने किया स्वागत

नारनौल। हरियाणा रोडवेज डिपो नारनौल में महाप्रबंधक मनोज शर्मा की जगह महाप्रबंधक देवदत्त ने शुक्रवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर कर्मचारियों ने उनको गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। महाप्रबंधक देवदत्त ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि किसी भी कर्मचारी को कोई समस्या नहीं होने दी जाएगी। महाप्रबंधक देवदत्त के स्वागत में रोडवेज डिपो के पूर्व प्रधान अनिल भीलवाड़ा, यजुवेंद्र क्लर्क, जितेंद्र स्याना, प्रीतम बागड़ी, देवव्रत सीहोर, सुरेंद्र आदि मौजूद थे।

करोड़ों रुपया बकाया होने से अब आएगी परेशानी

समय पर नहीं मिला पैसा, विरोध में आयुष्मान योजना से इलाज नहीं करेंगे निजी अस्पताल

- जिले के 59 अस्पतालों में से 30 निजी अस्पताल आते हैं आयुष्मान योजना के पैनेल में

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

आयुष्मान योजना के तहत निजी अस्पतालों को पैसा समय पर नहीं मिलने के विरोध में निजी अस्पतालों ने योजना के लाभपात्रों का ईलाज करना बंद कर दिया है। यह कदम इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के निर्णय उपरांत उठाया गया है, जबकि इस पैनल में जिले के लगभग 30 निजी अस्पताल शामिल थे, जो लाभपात्रों का इस योजना के तहत ईलाज कर रहे थे, लेकिन बकाया करोड़ों रुपये की राशि को देखते हुए आगे ईलाज बंद करने का निर्णय लिया गया है, जिससे निजी अस्पताल जाकर आयुष्मान योजना के तहत अपना इलाज करवाने के मुरीद लोगों को झटका लगा है। केंद्र सरकार ने गरीब लाभपात्रों का पांच लाख रुपये तक का ईलाज कराने के लिए आयुष्मान योजना शुरू की हुई है। इस योजना के तहत हरियाणा सरकार ने चिरायु का नाम दे रखा है और पांच लाख रुपये तक का मुफ्त ईलाज की सुविधा प्रदान करती है। इस योजना के तहत जिले में करीब 59 अस्पताल सरकारी पैनल में शामिल हैं, जिनमें 29 सरकारी एवं 30 प्राइवेट अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों में लाभपात्र मरीज विभिन्न पैकेज के तहत पांच लाख रुपये तक का मुफ्त ईलाज करा सकते हैं। ईलाज कराने की एवज में मरीज को पांच लाख से कम रुपयों का भुगतान नहीं करना होता और इसे सरकार वहन करती है। यदि मरीज ने प्राइवेट अस्पताल में अपना इस योजना के तहत ईलाज कराया है तो प्राइवेट अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत मरीज के ईलाज का खर्च सरकार से क्लेम करता है और सरकार प्राइवेट अस्पताल को इस खर्च यानि बिल प्रस्तुत करने की एवज में राशि अदा करके भुगतान करती है, लेकिन पिछले कुछ समय से सरकार इलाज के बदले भुगतान नहीं कर रही। इस कारण जिला महेंद्रगढ़ के अस्पतालों का करोड़ों रुपया सरकार की तरफ अटका हुआ है। अस्पतालों ने कई बार स्वास्थ्य विभाग और सरकार से इस बकाया भुगतान की मांग की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया है।

यह बोले पदाधिकारी

आईएमए के पूर्व जिला प्रधान डा. रोहतास यादव एवं सचिव डा. ओपी यादव ने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत जिले के 29 निजी अस्पताल सरकार के पैनल में शामिल हैं। सरकार की हिदायतों के अनुसार लाभपात्र लोगों यानि मरीजों को आयुष्मान योजना के तहत उपचार प्रदान करते रहे हैं। इसी ईलाज का सरकार की तरफ करोड़ों रुपये बकाया हो गया है, लेकिन उस राशि को अदा नहीं किया जा रहा। पिछले बकाया के कारण अब पैनल में शामिल निजी अस्पताल मरीजों का उपचार करने में असमर्थ हो गए हैं। उन्होंने बताया कि एक तो सरकार के पास अस्पतालों में इन्फ्रा की बेहद कमी है और ऐसी सूरत में मरीज जब निजी अस्पताल आकर इलाज करवाते हैं तो सरकार योजना चलाने के बावजूद उनके बिल पास नहीं कर रही। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत सरकार ने इंश्योरेंस कंपनी निर्धारित कर रखी है, जो ये बिल पास करती है। इन बिलों के अलावा जो सरकार से निजी अस्पताल को दस प्रतिशत लाभ देने का प्रावधान किया हुआ है, वह अदा नहीं किए जा रहे। अब न इंश्योरेंस कंपनी पैसा दे रही और न सरकार 10 प्रतिशत का हिस्सा दे रही। ऐसे में निजी अस्पतालों का लाखों रुपया सरकार की तरफ बकाया है। इसी कारण आईएमए ने योजना के तहत ईलाज करना बंद कर दिया है। पहले बकाया पैसा मिल जाए, तो ही अगला निर्णय लिया जाएगा।

आईएमए ने किया विरोध

प्राइवेट अस्पतालों ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नाम से एक संस्था बना रखी है तथा इस संस्था के जरिए अपने हित की आवाज उठाते रहते हैं। जब आयुष्मान के ईलाज का बकाया सरकार की तरफ चढ़ता गया, तब आईएमए ने ही प्राइवेट अस्पतालों का हित देखते हुए प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान योजना के तहत ईलाज बंद करने का निर्णय सुनाया। यह निर्णय गुरुवार 7 अगस्त से लागू कर दिया गया है। हालांकि आपातकालीन सेवाओं से इंकार नहीं किया गया है। आईएमए का कहना है कि पहले बकाया बिलों का भुगतान हो, उसके बाद ही आगे इलाज शुरू किया जाएगा।

यह बोले नोडल अधिकारी

आयुष्मान भारत योजना के नोडल अधिकारी डा. मनीष यादव ने बताया कि आईएमए की ओर से एक लेटर प्राप्त हुआ है, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया है कि निजी अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत पैकेज में इलाज करना बंद कर दिया है। उन्होंने अमाउंट के सवाल पर कहा कि पैनेल के अस्पताल सीधे स्टेट से जुड़े होते हैं और वहीं पर इनका डाटा होता है, वह फिक्स अमाउंट के बारे में कुछ नहीं बता सकते। इनका लेटर आगे फॉरवर्ड कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में आयुष्मान भारत और चिरायु योजना के करीब 5.21 लाख लाभार्थी हैं। इन लोगों को यदि कोई बीमारी हो जाए तो यह सरकारी एवं निजी अस्पताल में जाकर पांच लाख रुपये तक का अपना ईलाज करा सकते हैं। जिला महेंद्रगढ़ में 30 निजी अस्पतालों को सरकारी पैनल में शामिल किया गया है।

गरीबों पर पड़ेगा असर

पैनेल में शामिल निजी अस्पतालों द्वारा इलाज करने से मना करने का असर उन मरीजों पर पड़ सकता है, जो सरकारी अस्पताल की भीड़ से बचकर प्राइवेट अस्पताल में जाकर ईलाज कराना पसंद करते हैं। ऐसे पात्र लोगों को अब सरकारी अस्पताल की भीड़ में ही शामिल होना होगा। अन्यथा उन्हें बीमार होने की सूरत में परेशानी झेलनी पड़ सकती है। भीड़ की वजह से मरीजों को कोर्ट की भांति डेट मिलने से भी परेशानी हो सकती है।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

मोहल्ला जमालपुर निवासी एक युवक की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करवा परिजनों को सौंप दिया।

वार्ड नंबर 29 की पार्षद नीलम भांखर के देवर करीब 35 वर्षीय जितेंद्र भांखर ने अपने घर में ही वीरवार रात को अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। तबीयत खराब होने पर परिजन उसको इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में लेकर गए, जहां से उसे रेफर कर दिया गया। गंभीर अवस्था में परिजन जब उसको इलाज के लिए जयपुर ले जा रहे थे, तब बीच रास्ते में उसकी हालत और बिगड़ने पर उसको कोटपुतली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। जितेंद्र भांखर वार्ड पार्षद संदीप भांखर के चचेरे भाई हैं। पूरा परिवार राजनीति से जुड़ा हुआ है। जितेंद्र भांखर के पिता कंवर सिंह भांखर भी इनेलो के वरिष्ठ नेता व पार्षद रहे। मृतक द्वारा यह कदम फाइनेंसरों के दबाव में उठाया गया बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने उपरांत जांच शुरू कर दी है।

ढाकोड़ा में विवाहिता ने लगाया फंदा

नारनौल। नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव ढाकोड़ा तन आसरावास में शुक्रवार को एक 21 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक जांच शुरू कर दी। नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव ढाकोड़ा की विवाहिता अनीता राजस्थान के गांव केसवाना की रहने वाली है। उसकी बड़ी बहन की शादी भी इसी परिवार में हुई थी। अनीता ने अपने ससुराल में पंखे पर फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना पर लड़की के मायका पक्ष वाले भी मौके पर पहुंच गए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आपसी बातचीत के जरिए हालात को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास किया गया। फिलहाल पुलिस द्वारा जांच जारी है और आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने मृतक महिला का नारनौल के नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

ग्रुप-सी सीईटी में पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को राहत, जल्द खुलेगा करेक्शन पोर्टल

- कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट में शामिल हुए उम्मीदवारों के लिए राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ग्रुप-सी पदों के लिए आयोजित कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट में शामिल हुए उम्मीदवारों के लिए राहत की खबर है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने घोषणा की है कि जल्द ही करेक्शन पोर्टल खोला जाएगा। जिससे उम्मीदवार अपने दस्तावेजों में सुधार कर सकेंगे। विशेषकर यह उन पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए बड़ी राहत होगी जो आवेदन करते समय तकनीकी दिक्कतों के कारण 1 अप्रैल 2025 के बाद का जाति प्रमाण पत्र अपलोड नहीं कर पाए थे।

ज्ञात हो कि जून माह में आवेदन के समय हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने जाति प्रमाण पत्र एक अप्रैल 2025 के बाद का मांगा था। जिससे सरल पोर्टल पर अचानक लोड बढ़ गया था और कई उम्मीदवारों के प्रमाण पत्र समय पर नहीं बन पाए। इस समस्या को लेकर कुछ उम्मीदवारों ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने उम्मीदवारों को राहत देने का फैसला किया।

चेयरमैन ने अपने ट्वीट हैंडल के माध्यम से बताया कि करेक्शन पोर्टल किसी भी समय खोला जा सकता है। इस पोर्टल के माध्यम से उम्मीदवार अपने जाति प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता और अन्य दस्तावेजों में हुई त्रुटियों को ठीक कर पाएंगे।

उन्होंने उम्मीदवारों को अपने दस्तावेज तैयार रखने की सलाह दी है। करेक्शन प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद परीक्षा का परिणाम जारी किया जाएगा। यह कदम हजारों उम्मीदवारों के लिए एक सकारात्मक कदम है। भर्ती प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाएगा।

हादसे में ट्रैक्टर सवार युवक की हुई मौत

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव दुबलाना निवासी लगभग 40 वर्षीय महेश पुत्र होशियार सिंह सड़क हादसे में मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार महेश अपने ट्रैक्टर पर बैठकर रात्रि लगभग साढ़े नौ बजे खेत में गया था। सुबह शुक्रवार जब ग्रामीण खेतों की तरफ जा रहे थे तब देखा कि ट्रैक्टर के हल पर उसका सब पड़ा हुआ था। वह उपस्थित ग्रामीणों ने जिसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद शव का नारनौल अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। लोगों ने उस जगह पर पिकअप गाड़ी के टायरों के निशान देखे थे। इसलिए अंदाजा लगाया कि अज्ञात पिकअप चालक ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी।

हुडा स्थित मंदिर का दानपात्र चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हुडा में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सामने स्थित चमत्कारी बालाजी हनुमान जी महाराज मंदिर से एक चोर ने दानपात्र चुरा लिया। दानपात्र में करीब एक पखवाड़े का दान जमा था। चोर की यह करतूत मंदिर के ही अंदर लगे हुए सीसीटीवी में कैद हो गई।

जानकारी के अनुसार हुडा सेक्टर एक में बने चमत्कारी बालाजी मंदिर में पीछे से एक चोर घुस गया। फिर चोर ने मंदिर के मुख्य गेट का ताला तोड़ दिया और अंदर चला गया।

अंदर जाने के बाद चोर ने बालाजी की मूर्ति के पास रखा दानपात्र चुरा लिया। दानपात्र चुराने के बाद चोर वापस आकर दीवार फांदकर बाहर चला गया। दानपात्र चुराने की घटना का सुबह मंदिर में आए पुजारी हेमंत शर्मा को पता चला, जिसके बाद उसने मंदिर के सीसीटीवी चेक किए। शर्मा के अनुसार यह घटना बीती रात करीब डेढ़ बजे की है।

नारनौल। दानपात्र चुराकर ले जाता युवक सीसीटीवी फुटेज में कैद। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। शपथ लेते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

दक्षिणी हरियाणा बिजली निगम की सब अर्बन सब यूनिट में नए पदाधिकारियों का चुनाव

नारनौल। दक्षिणी हरियाणा बिजली निगम की सब अर्बन सब यूनिट के त्रिवर्षीय चुनाव हाल ही में संपन्न हुए, जिसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। यह चुनाव बैठक सर्कल सचिव सत्यवीर सिंह, जेई यूनिट सेक्रेटरी अशोक कुमार और यूडीसी बिजेंद्र की उपस्थिति में हुई। बैठक में चंदरजीत एएसएसए को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया। उनके साथ रविंद्र सिंह एएलएम को उप-प्रधान, पवन सैनी जीएसओ को सचिव, नरेश एसए को सह-सचिव और पवन कुमार एसए को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अतिरिक्त मोहनलाल एएलएम को संगठनकर्ता और राजकुमार एएलएम को चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। शपथ ग्रहण के बाद सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पूरी निष्ठा और लगन के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का संकल्प लिया।

त्योहार | शहर के बाजारों, राखी और मिठाई की दुकान में लगी भीड़

रक्षाबंधन पर्व आज : इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, लक्ष्मी राजयोग, गजलक्ष्मी राजयोग, बुधादित्य योग का होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हर वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। भाई बहन के पवित्र त्यौहार का हमारे सनातन धर्म में बहुत महत्व है। इस साल रक्षाबंधन का पर्व नौ अगस्त शनिवार को मनाया जाएगा। इस दिन बहनें भाईयों की कलाई में राखी बांधकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करेगी। इसके साथ ही भाई बहनों को उपहार देने के साथ रक्षा का वादा करते हैं। इस वर्ष रक्षाबंधन भद्रा और पंचक से मुक्त होगा। इस शुभ संयोग में राखी का उत्सव मनाने से भाई-बहन के जीवन में सुख-समृद्धि की वृद्धि होती है। आचार्य क्रांति निर्मल शास्त्री ने बताया कि इस वर्ष रक्षाबंधन के दिन काफी शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग,लक्ष्मी राजयोग, गजलक्ष्मी राजयोग, बुधादित्य योग का निर्माण हो रहा है।

श्रावणी उपाकर्म का भी होगा आयोजन

आचार्य क्रांति निर्मल शास्त्री ने बताया कि श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन ब्राह्मणों द्वारा श्रावणी उपाकर्म का आयोजन भी किया जाता है। जिसके अंतर्गत जल में खड़े होकर दश विध स्नान किया जाता है। उसके बाद देवताओं, ऋषियों तथा पितरों का तर्पण करके नया यज्ञोपवीत धारण किया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन शिवकुण्ड धाम कुलताजपुर में किया जाएगा।

रक्षाबंधन पर शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग : सुबह 5 बजकर 47 मिनट से दोपहर 2 बजकर 23 मिनट तक

सौभाग्य योग : सुबह प्रात:काल से लेकर 10 अगस्त को तड़के 2 बजकर 15 मिनट तक

शोभन योग : 10 अगस्त को सुबह 2 बजकर 15 मिनट तक

ब्रह्म मुहूर्त : सुबह 4 बजकर 22 मिनट से 5 बजकर 04 मिनट तक

अभिजीत मुहूर्त : दोपहर 12 बजकर 17 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक है।

सूण मांढने का मुहूर्त

8 अगस्त को प्रात: 7:30 से 11:00 बजे तक, दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 2: 11 तक

सूण जीमाने का मुहूर्त

9 अगस्त 2025

दोपहर 1:24 तक

राखी बांधने का मुहूर्त

9 अगस्त 2025

पूरा दिन शुद्ध है।

भैजा दूज का पर्व

रक्षाबंधन की ही तरह भैया दूज का पर्व भी भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक माना जाता है। इसके पीछे प्रचलित मान्यता के अनुसार बहन की सेवा को देखकर यम बेहद खुश हुए और यमुना से कोई वर मांगने के लिए कहा। इसके बाद यमुना ने उनसे वचन लिया कि हर साल कार्तिक माह के शुक्ल द्वितीया तिथि पर वह मेरे घर आकर भोजन किया करें। यमराज ने भी उन्हें तथास्तु कहते हुए उन्हें तरह-तरह की भेंट भी दी। मान्यता के अनुसार, तभी से भाई दूज के पर्व को मनाने की शुरुआत हुई।

भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व 'सलूमण'

रक्षाबंधन पर्व की जन-मानस में लोकप्रियता के दृष्टिगत ही हरियाणा सरकार महिलाओं को अपने भाइयों को इस दिन रक्षासूत्र बांधने के लिए आवा-गमन हेतु मुफ्त बस सेवा उपलब्ध कराती है। राज्यों में अलग-अलग ढंग से रक्षाबंधन को मनाया जाता है

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत उत्सवों का देश है। जहां हर अवसर पर हर परिस्थिति में जीवन को सकारात्मक दिशा देने के लिए कार्य करने की परम्परा रही है। यहां मनाया जाने वाला प्रत्येक त्योहार जन-मानस को नया सन्देश देता है। भारतीय त्योहारों की इसी शृंखला में श्रावण माह में मनाया जाने वाला पर्व है रक्षाबंधन। इसे श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन न केवल भारत बल्कि मॉरीशस, नेपाल और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों के साथ-साथ दुनिया भर में बसने वाले भारतवंशी भी पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाते हैं।

भारत की तरह नेपाल में रक्षाबंधन को जनेऊ पूर्णिमा के नाम से संबोधित किया जाता है। इस दिन घर के बड़े लोग अपने से छोटे लोगों के हाथों में एक पवित्र धागा बांधते हैं। राखी के अवसर पर यहां एक खास तरह का सूप पिया जाता है, जिसे कवाती कहा जाता है। इस अवसर पर बहनें अपना प्रेम रक्षा सूत्र के रूप में भाई की कलाई पर बांध कर प्रदर्शित करने के साथ उससे रक्षा का वचन लेती हैं। भाई इस अवसर पर कुछ उपहार देकर भविष्य में संकट की स्थिति में उसकी सहायता करने का वचन देते हैं।

भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक यह त्योहार भारत भर में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। उत्तर प्रदेश में इसे श्रावणी या सलूनो भी कहते हैं। श्रीकृष्ण की लीला स्थली ब्रज में सावन मास में हरियाली तीज यानि श्रावण शुक्ल तृतीया से श्रावणी पूर्णिमा तक यहां के मन्दिरों और घरों में ठाकुर जी को झूले में विराजित किया जाता है। ठाकुर जी यानी श्री कृष्ण का यह झूला-दर्शन श्रावणी पूर्णिमा अर्थात रक्षाबन्धन के दिन समाप्त होता है। उत्तरांचल में रक्षाबंधन को श्रावणी कहते हैं। इस दिन यजुर्वेदी द्विजों का उपनयन कर्म होता है। इस दिन उत्सर्जन, स्नान-विधि, ऋषि-तर्पणादि करके उनको नवीन यज्ञोपवीत धारण कराया जाता है। इस दिन वृत्तिवान् ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन ही पूर्ण होती है। जबकि राजस्थान में इस दिन रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने की परंपरा है। रामराखी सामान्य राखी से थोड़ी-सी अलग होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है और यह भगवान को ही बांधी जाती है। वहीं चूड़ा राखी भाभियों की चूड़ियों में बांधी जाती है। जोधपुर में राखी के दिन दोपहर में पद्मसर और मिनकानाडी में गोबर, मिट्टी एवं भस्मी से स्नान कर शरीर को शुद्ध किया जाता है, फिर धर्म तथा वेदों के प्रवचनकर्त्ता अरुंधती, गणपति, दुर्गा, गोभिला तथा सप्तर्षियों के दर्भचट अर्थात पूजास्थल बनाकर मन्त्रोच्चारण के साथ उनकी पूजा की जाती है। इसके बाद उनका तर्पण किया जाता है ताकि पितृऋण चुकाया जा सके। फिर घर आकर हवन किया जाता है, वहीं पर रेशम के डोरे से राखी बनायी जाती है तथा उसको कच्चे दूध से अभिमन्त्रित किया जाता है। यह राखी भगवान को अर्पित करने के बाद ही भोजन किया जाता है। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में इस पूर्णिमा को कजरी पूर्णिमा के विशेष रूप में मनाने की रीत चली आ रही है। कजरी पूर्णिमा के दिन महिलाएं पेड़ के पत्तों के पात्रों में खेत से मिट्टी भरकर लाती हैं और उनमें जौ को बोया जाता है। जहां ये पात्र रखे जाते हैं, वहां पर चावल के घोल से चित्रकारी भी की जाती है। कजरी पूर्णिमा के दिन महिलाएं इन जौ को सिर पर रखकर जुलूस निकालती हैं और पास के किसी तालाब या नदी में इसे विसर्जित कर देती हैं। महिलाएं इस दिन उपवास रखकर अपने पुत्र व भाई की लंबी आयु की कामना करती हैं। उड़ीसा और पश्चिम बंगाल में रक्षाबंधन को झूलन पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा की पूजा की जाती है। साथ ही महिलाएं अपने भाइयों के अच्छे जीवन के लिए उनकी कलाइयों पर राखी बांधती हैं। देश के पूर्वी हिस्से ओडिशा में राखी को गमहा पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घर की गाय और बैलों को सजाते हैं और एक खास तरह का पकवान, जिसे मीठा और पीठा कहा जाता है, बनाते हैं। इस दिन राधा-कृष्ण की प्रतिमा को झूले पर बैठा कर झूलन यात्रा निकाली जाती है। इसी प्रकार गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा में राखी का त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। जल के देवता वरुण को प्रसन्न करने के लिये नारियल अर्पित करने की परम्परा भी है। नारियल की तीन आंखें होने से उसे शिव का प्रतीक माना जाता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा की जाती है। गुजरात के कुछ हिस्सों में रक्षाबंधन को पवित्रोपन के नाम से भी मनाया जाता है। वहीं दक्षिण भारतीय राज्यों जैसे तमिलनाडु तथा केरल के साथ ही देश के विभिन्न भागों में रहने वाले दक्षिण भारतीय ब्राह्मण इस पर्व को अवनि अवित्तम कहते हैं। इस दिन ये यज्ञोपवीतधारी ब्राह्मण नदी या समुद्र के तट पर स्नान करने के बाद ऋषियों का तर्पण करके नया यज्ञोपवीत धारण करते हैं। हरियाणा में भी समस्त उत्तर भारत की तरह ही भाई-बहन का यह पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इसे यहां सलूमण के नाम से मनाते हैं। सलूमण के त्योहार की जन-मानस में लोकप्रियता के दृष्टिगत ही हरियाणा सरकार महिलाओं को अपने भाईयों को इस दिन रक्षासूत्र बांधने के लिए आवा-गमन हेतु मुफ्त बस सेवा उपलब्ध कराती है। जिस तरह से अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग ढंग से रक्षाबंधन को मनाया जाता है उसी तरह से इस त्योहार को मनाने के पीछे भिन्न-भिन्न कहानियां प्रचलित हैं।

> रक्षाबंधन की सबसे अधिक प्रचलित मान्यता के अनुसार महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था। ये देखकर द्रौपदी जो कृष्ण जी की सखी भी थी, ने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया। इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई।

ये हैं प्रचलित मान्यताएं

रक्षाबंधन की सबसे अधिक प्रचलित मान्यता के अनुसार महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था। ये देखकर द्रौपदी जो कृष्ण जी की सखी भी थी, ने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई। जब द्रौपदी का चीरहरण किया जा रहा था, तब श्रीकृष्ण ने ही उनकी लाज बचाकर सबसे उनकी रक्षा की थी। राखी के सम्बन्ध में एक अन्य मान्यता प्रचलित है। जब महाभारत के युद्ध में युधिष्ठिर ने कृष्ण से पूछा कि मैं सारे दुखों से कैसे पार पा सकता हूं, तो कृष्ण कहते हैं कि तुम अपने सभी सैनिकों को रक्षा सूत्र बांधो, इससे तुम्हारी विजय पक्की है। युधिष्ठिर ऐसा ही करते हैं और उन्हें विजय मिलती है। ये घटना श्रावण माह की पूर्णिमा को हुई थी, इसलिए इसे रक्षाबंधन के रूप में मनाया जाने लगा और इस दिन सैनिकों को राखी बांधी जाती है। इसी तरह से वामन अवतार से जुड़ी एक कथा के अनुसार राजा बलि बड़े दानी थे और भगवान विष्णु के भक्त थे। एक बार वे भगवान को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ कर रहे थे। अपने भक्त की परीक्षा लेने के लिए भगवान विष्णु एक ब्राह्मण का वेष धारण करके यज्ञ स्थल पर पहुंचे और राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। राजा ने ब्राह्मण की मांग स्वीकार कर ली। ब्राह्मण ने पहले पग में पूरी भूमि और दूसरे पग में पूरा आकाश नाप दिया। राजा बलि समझ गए कि भगवान उनकी परीक्षा ले रहे हैं, इसलिए उन्होंने फौरन ब्राह्मण का तीसरा पग अपने सिर पर रख लिया। उन्होंने कहा कि भगवान अब तो मेरा सबकुछ चला गया है, अब आप मेरी विनती स्वीकार करें और मेरे साथ पाताल में चलकर रहें। भगवान को राजा की बात माननी पड़ी। उधर, मां लक्ष्मी भगवान विष्णु के वापस न लौटने से चिंतित हो उठीं। उन्होंने एक निर्धन महिला का वेष बनाया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांध दी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा तो मां लक्ष्मी फौरन अपने असली रूप में आ गईं और राजा से अपने पति भगवान विष्णु को वापस लौटाने की मांग की। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस भेज दिया। रक्षाबंधन को लेकर इस प्रकार की और भी अनेक कथाएँ भारतीय लोकमानस में कही-सुनी जाती हैं। जिनमें भाई-बहन के प्रेम, रक्षासूत्र और भाई के द्वारा बहन की रक्षा करने संबंधी उल्लेख मिलता है। इस प्रकार की परम्पराएं निसंदेह समाज को नयी दिशा देती हैं और संबंधों में ऊर्जा का संचार करती हैं। आइए, हम सब संकल्प लें कि हम अपनी परम्पराओं को जीवित रखेंगे।

गीत | भूपसिंह भारती

सामण

सामण का महीना, और तीजों का त्योहार।
तीज खेलरी सखियां सारी, कर सौला सिंगार।।

चली खेलणे, सखी सहेली,
संग चली सब, नई नवेली,
लाके मीठी रेली, गावै गीत मल्हार।

पींघ घली, पेड़ों की डारी,
मचकावै ब्याही, और कुंवारी,
झूल झूलरी सारी, बारी बारी ये नार।

रूप रंग पै, चढ़ी जवानी,
सामण की या, रुत मस्तानी,
आग लगावै पानी, सीली बहै बयार।

लाड कोथली, घणी निराली,
शक्करपारे, और सुहाली,
भर भर बांटै थाली, इसा तीज त्यौहार।

तीज खेलकै, बिरवा बोवै,
झाड़ी म्ह ये, गिण गिण पोवै,
रेतां म्ह बी ल्हकोवै, बेटां खातर भंडार।

चोगरदे ये, हुई हरियाली,
घर घर म्ह, आई खुशहाली,
बजा 'भारती' ताली, रिमझिम पड़े फुहार।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

प्रकृति प्रेम

ब्रम्हा जी लगे रचन सृष्टि चारों तरफ निहारें
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

ब्रम्हा जी न प्रकाश फला कै पुत्र दस पायें थे
भगती में लौ लीन हुए सब न ही यश पायें थे
ब्रम्हा जी लिये देख दक्ष न चिन्ता बस पायें थे
ब्रम्हा जी गये समझ व गुण दक्ष मै ही पायें थे
प्रजापति दक्ष बणा दिया व रहे देखते सारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

ब्रम्हा विष्णु शिवजी तीनों नेअपने कर्म सम्भाले
एक उत्पति एक पोषक एक संहार करने वाले
वंश बेल की कामवासना व पुर दिये थे जाले
ब्रम्हा जी न ब्रम्हाण्ड सोंप दिया था दक्ष हवाले
देवताओं के राजा बणे व दक्ष ब्रम्हा के प्यारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

सवमभू मनु की दो पुत्री राजा दक्ष न परणाई
एक रानी न चौबीस कन्या अपने गर्भ से जाई
दुजी रानी न सुहाग भाग से साठ कन्या पाई
चौरासी पुत्री हुई दक्ष कै सती शिव न बयाही
सती शिव की शादी में बाजे तीन लोक नगारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

कनखल में फेर दक्ष न एक महायज्ञ कराया
उस यज्ञ में भाग लेण न सभी देवता आया
शिव जी से थे रुष्ट दक्ष ना शिव सती बुलाया
महेन्द्र सिंह बिलोट बैठा जिसने भेद बताया
हवन मै जल सती मरी थी समिधा बणी अंगारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रतिभा

घुड़सवार दल का कमान्डर होने के बावजूद स्कीनर ने 1803 में दिल्ली में अंग्रेज सेना से लड़ने से कर दिया था मना

हांसी का जागीरदार था कर्नल जेम्स स्कीनर

इतिहास | यशपाल गुलिया

अति प्रेरणादायक हस्ती जेम्स स्कीनर अंग्रेज अधिकारी तथा भारतीय माता का पुत्र था। कलकता में 1778 में जन्म लेने वाला जेम्स युवावस्था में पिता की इच्छा के विपरीत अपने शिक्षा संस्थान से भाग गया था। तब उसके पास मात्र 25 पैसे जेब में थे।

कुछ दिनों तक कलकता में भटकने के बाद जेम्स मराठा सेना में भरती हो गया। वहां फ्रांसीसी कमान्डर जनरल पैरो के नेतृत्व में विभिन्न युद्धों में भाग लेना पड़ा, जैसे 1796 में बुन्देलखण्ड का युद्ध, चान्दखोरी का युद्ध, मालपुरा में जयपुर राजा के विरुद्ध युद्ध, 1799 में रामपाल राजपूत के विरुद्ध युद्ध आदि। अपने युद्ध कौशल के कारण पैरो ने स्कीनर को एक घुड़सवार दल का कमान्डर बना दिया। लेकिन जनवरी वर्ष 1800 में स्कीनर के पैर में उनियारा युद्ध में गोली लग जाने से उसको पूरी रात घायलों के बीच पड़े रहना पड़ा था। वहीं पर स्कीनर ने ये वादा किया था कि अगर मैं जिन्दा बच गया तो एक चर्च अवश्य बनवाऊंगा। उसने कुछ वर्षों बाद वादे अनुसार दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास चर्च को बनवाया। मराठा सेना में एक घुड़सवार दल का कमान्डर होने के बावजूद उसने 1803 में दिल्ली में अंग्रेज सेना से लड़ने से मना कर दिया। फिर कुछ अन्य साथियों के साथ लार्ड लेक की अंग्रेज सेना में शामिल हो गया।

अंग्रेज सेना में जाने के बाद भी स्कीनर को लगातार युद्धों में भाग लेना पड़ा, जैसे मुकन्दरा पास युद्ध, पिन्डारियों के विरुद्ध व भरतपुर युद्ध आदि। तब अंग्रेजों ने स्कीनर को कर्नल तो पदोन्नत किया ही बल्कि उसका रुतबा काफी बढ़ाया। वर्ष 1809 में उसको एक बडे घुड़सवार दल का कमान्डर बनाकर हांसी (हरियाणा) में नियुक्त कर दिया। उसी काल में हांसी में अंग्रेजों ने कैवलरी कैन्ट भी बना दिया था। कुछ समय बाद रेजिडेंट सिटन के अनुरोध से कर्नल जेम्स स्कीनर को हांसी क्षेत्र जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। उसके बाद स्कीनर अत्यधिक सम्पन्न हो गया तथा उसके अंग्रेज उच्च अधिकारियों से सीधे सम्बन्ध बनने लगे।

विलियम फ्रेजर और मेवात के नवाब अहमद बक्स से मिलकर उन्होंने हांसी से ही घोड़ों का व्यापार किया। तब स्कीनर ने दिल्ली में एक भव्य कोठी तथा विशाल चर्च का निर्माण करवाया। अति प्रतिभावान स्कीनर ने 1825 में दो ग्रन्थ फारसी भाषा में लिखे थे जो तत्कालीन शासकों एवं विभिन्न जातियों के बारे में हैं। स्कीनर के योगदान से ही 1815 में हिसार में अंग्रेजों ने घोड़ा फार्म स्थापित किया था।

स्कीनर के ग्रन्थों का नाम तजकीरत अल उमरा तथा तसरीह अल अकवाम है जो लन्दन स्थित ब्रिटिश लाइब्रेरी में ही उपलब्ध है। स्कीनर की कई पत्नियां थी, जो सभी भारतीय थी। उनमे से दो के तो हांसी के चार कुतुब में मकबरे भी हैं। भारतीय सेना में भी स्कीनर्स होर्स नाम से एक रिसाला बनाया गया था। उस अद्भुत हस्ती कर्नल जेम्स स्कीनर का 63 वर्ष की आयु में 4 दिसम्बर 1841 को स्वर्गवास हो गया तथा उसको दिल्ली स्थित चर्च परिसर में फ्रेजर की कब्र के साथ दफन कर दिया गया।

हांसी में स्थित कर्नल जेम्स स्कीनर की कोठी का बाहरी दृश्य तथा दाएं उनकी बेगम का मकबरा। इस मकबरे पर फारसी में शिलालेख भी लिखा हुआ है।

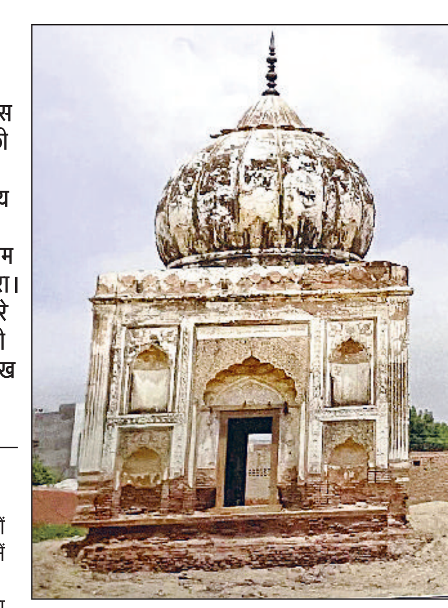

समाज को संस्कृति से जोड़ने में लोक कला अहम : केलापति

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी लेखक व कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कलाओं के हुनर बिखेरकर हरियाणवी संस्कृति को पहचान देते आ रहे हैं। ऐसी ही हरियाणवी कलाकार ने अपने हिंदी और हरियाणवी भाषा में गीतों, कविताओं और भजनों का लेखन करने के साथ अपनी गायन कला और अभिनय के माध्यम से बड़ी पहचान बनाई है। एक शिक्षिका, समाजसेवी, अभिनेत्री और गायक कलाकार केलापति राहीवाल ने हरिभूमि संवाददाता से अपनी लोक कला के सफर को लेकर कई ऐसे पहलुओं को सामने रखा, जिसमें लोक कला का समाज को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के प्रति नई दिशा देने में अहम योगदान है।

हरियाणवी लोक कलाकार केलापति राहीवाल का जन्म 01 फरवरी 1962 को हिसार जिले के गांव सरसौद में एक छोटे से किसान परिवार में फकर सिंह व रूकमण देवी के यहां हुआ। उनके पिता खेती-बाड़ी व पशुपालन का काम करते थे। उनकी माता को संगीत व नृत्य के प्रति बहुत लगाव था। हमेशा ही वह सुबह जब सुबह हाथ वाली चक्की से आटा पीसती थी, तो सुंदर गीत और भजन गाती रहती थी। वहीं उस जमाने में गांवों में सभी मौहल्ले और आस पड़ोस की औरतें कुंए से पानी भरने के लिए जाती थी, तब भी उनकी माता गीत गाते हुए चलती थी और वह भी उनके पीछे कुएं पर पहुंच जाती थी, जिसका असर पड़ना स्वाभाविक था। मसलन उन्हें गीत-संगीत की कला मां से विरासत में मिली, तो इसी कारण बचपन से ही उन्हें भी कला संगीत में अभिरुचि पैदा हुई। यही कारण था कि इन्होंने स्कूली शिक्षा के दौरान चौथी कक्षा से ही शनिवार की बालसभा में कविता, गीत और भजन सुनाना भी शुरू कर दिया था। पढ़ाई में भी वह अव्वल रहीं, जिसके कारण शिक्षकगणों का आशीर्वाद मिला और वह भी अपने मन में अध्यापकों के प्रति बहुत मान सम्मान रखती थी। बकौल केलापति, उन्होंने एमए (हिंदी) स्नातकोत्तर की उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ डीएड, प्रभाकर और स्नातकोत्तर शिक्षा कार्यक्रम (पीआरईपी-एनएम) भी किया है। इसके बाद उनकी छह अप्रैल 1988 को हरियाणा शिक्षा विभाग में एक शिक्षक के रूप में नौकरी लग गई। करीब 32 साल तक अध्यापन कार्य करने के बाद 31 जनवरी 2020 में सेवानिवृत्त हुई। शिक्षिका की नौकरी के दौरान उन्होंने जहां अध्यापन प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनिंग जैसे शिक्षण कार्य की हरेक गतिविधि में बढ़चढ़कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया, वहीं उन्होंने जनहित के कार्यक्रमों पोलियो अभियान, जनगणना आदि में भी अपना योगदान दिया है।

सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने लोक कला के क्षेत्र में विभिन्न विधाओं के साथ सक्रिय होकर अपनी भूमिका को आगे बढ़ाने का सिलसिला जारी रखा हुआ है। दूसरी ओर परिवार में केलापति की जिम्मेदारी बेहद अहम रही, क्योंकि वह अविवाहित हैं और अपने परिवार के साथ ही रहती हैं। उनका परिवार वर्तमान में हिसार में रहता है।

पुरस्कार और सम्मान

महिला लोक कलाकार केलापति को हाइफा की प्रतियोगिताओं के गीत कॉम्पिटिशन में दो बार प्रथम, एक बार द्वितीय और हाल ही सात्वनां पुरस्कार हासिल किया है। फिल्म अभिनेता और निर्देशक यशपाल शर्मा ने उनकी गायन शैली से प्रभावित होकर उन्हें बहुत मान सम्मान के साथ लेडी लख्मीचंद के नाम दिया है। केलापति को अध्यापन कार्य के दौरान भी राज्य, जिला और खंड स्तर पर अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले हैं।

अभिनय के रूप में छोड़ी छाप

केलापति राहीवाल ने स्कूल और कॉलेज में शैक्षिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक मंचों पर भी गीत और भाषण तथा अभिनय के रूप में अपनी कला का प्रदर्शन किया, उन्होंने अधिकांश फिल्मों व वेब सीरीज में दादी का किरदार निभाया है। उनकी विभिन्न विधाओं में कला को हरियाणवी फिल्मों और वेब सीरीज में भी बेहद पसंद किया जाता है। इन्होंने हरियाणवी फिल्म घूंघट, हरियाणा, हरियाणा की बेटी, मां, हरियाणा केसरी, मुआवजा, काला कौन है जैसी फिल्मों में अभिनय के साथ गायन भी निभाया। खुशमिजाज मजाकिया स्वाभाव की कलाकार होने के नाते शूटिंग और सैट पर पूरी टीम उन्हें भरपूर मान-सम्मान देती है। वहीं उनके यूट्यूब चैनल पर खुद के लिखे और गाये गये गीत और भजन भी प्रचलित हैं, जिन्हें खूब पसंद किया जा रहा है।

आधुनिक युग में चुनौती

लोक कलाकार केलापति राहीवाल का कहना है कि आजकल की युवा पीढ़ी को हरियाणवी संस्कृति के प्रति प्रोत्साहन देने की जरूरत है, क्योंकि पाश्चात्य संस्कृति का दुष्प्रभाव हमारी भारतीय संस्कृति को दूषित कर रहा है। युवा पीढ़ी को सरकारी स्तर और स्कूल व कॉलेज में सांस्कृतिक रूप से प्रोत्साहन देने की जरूरत है, ताकि उनके भविष्य को सुधारकर उन्हें अपनी संस्कृति और सभ्यता और परंपरा से जोड़ा जा सके।

खबर संक्षेप

गर्भवती का 10 सप्ताह से पहले पंजीकरण सुनिश्चित करें: डॉ. पिंकी

महेंद्रगढ़। गांव मालड़ा बास स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मालड़ा बास में शुक्रवार को स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं आशा कार्यकतार्ओं की सामूहिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पीएचसी प्रभारी डॉ. पिंकी जांगड़ा ने की। बैठक में चिकित्सा अधिकारी डॉ. जीत शर्मा, दंत चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमीष गोदारा तथा स्वास्थ्य निरीक्षक रणबीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में पीएचसी प्रभारी डॉ. पिंकी जांगड़ा ने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्यकर्मी अपने क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं का 10 सप्ताह से पूर्व पंजीकरण सुनिश्चित करें, ताकि समय रहते उनकी स्वास्थ्य जांच की जा सके और फोलिक एसिड की गोली दी जा सके। उन्होंने लिंग अनुपात सुधार की दिशा में भी कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी गांवों में लिंग भेदभाव समाप्त करने और बेटियों की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए।

अटेली नगर पालिका की सफाई कर्मचारियों ने किया धरना प्रदर्शन

मंडी अटेली। नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर पुरानी नगर पालिका भवन पर धरना प्रदर्शन शुरू किया। शुक्रवार के दिन किसी भी सफाई कर्मचारी के द्वारा कोई काम नहीं किया गया पूरे बाजार में एक ही दिन में जगह-जगह कूड़े के ढेर नजर आए। धरना प्रदर्शन के दौरान प्रधान मनोज कुमार ने बताया कि हरियाणा प्रदेश में लगभग सभी नगर पालिका परिषद में एरियर दिया गया है उसके बाद भी नगर पालिका द्वारा कर्मचारियों का एरियर नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी मांग नहीं माने जाने को लेकर कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। इसलिए आंदोलन एवं काम छोड़ हड़ताल आगे भी जारी रखेंगे। वहीं नगर पालिका सफाई कर्मचारियों के पहले दिन काम छोड़ हड़ताल पर जाने के कारण नपा शहर में झाड़ू नहीं लगी।

'हर घर तिरंगा' के साथ 'हर घर स्वच्छता' अभियान चलाया

'स्वच्छता' को जीवन का हिस्सा बनाने का लिया संकल्प

- सरकार ने देशभक्ति और स्वच्छता को एक साथ जोड़कर अनूठा संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला परिषद कार्यालय से एक बहुत ही प्रेरणादायक और जन-कल्याणकारी अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान 'हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता' नाम से पूरे जिले में आठ से 15 अगस्त तक चलाया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से सरकार ने देशभक्ति और स्वच्छता को एक साथ जोड़कर एक अनूठा संदेश दिया है। इस अभियान की शुरुआत शुक्रवार जिला परिषद कार्यालय में की गई। जिला परिषद के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार की अध्यक्षता में सभी कर्मचारियों ने मिलकर कार्यालय परिसर की साफ-सफाई की और 'स्वच्छता' को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

नारनौल। साफ-सफाई करते जिला परिषद के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार।

स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने का प्रयास

हरियाणा सरकार का यह कदम सराहनीय है क्योंकि यह सिर्फ एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वच्छता को एक जन-आंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदय सिंह ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 'स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' मनाना है। उन्होंने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों के साथ एक बैठक में निर्देश दिए कि यह अभियान केवल शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों में भी पूरी लगन से चलाया जाए। हर गांव में रोजाना निर्धारित गतिविधियों के अनुसार सफाई अभियान चलाया जाएगा, जिसमें कूड़ा-कचरा हटाना, नालियों की सफाई करना और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना शामिल है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने इस अभियान के जरिए 'एक तीर से दो निशाने' लगाए हैं।

जहां एक ओर 'हर घर तिरंगा' अभियान लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को और मजबूत करेगा, वहीं 'हर घर स्वच्छता' अभियान स्वच्छ और स्वस्थ समाज की नींव रखेगा। यह पहल न केवल हमारे राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ाती है, बल्कि हमारे घरों और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी का भी एहसास कराती है। यह हरियाणा सरकार की दूरदर्शिता को दर्शाता है जो नागरिकों को एक बेहतर जीवन शैली और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आयुष्मान योजना से निजी अस्पताल ने इलाज करना किया बंद

नारनौल। जननायक जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता विजय छिलरों ने प्रेस विज्ञप्ति देते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज के लिए जिले की पैनल में 30 निजी अस्पतालों ने योजना के लाभार्थियों का इलाज करना बंद कर दिया है। इससे पहले पांच प्रमुख बीमारियों को आयुष्मान योजना के बाहर करके गरीबों की कमर इस सरकार ने वैसे ही तोड़ दी थी। अब सरकार ने प्राइवेट हॉस्पिटल में आयुष्मान योजना का पैसा नहीं जमा करवा कर एक सोची समझी रणनीति के तहत गरीबों को मरने पर मजबूर कर दिया है। आम आदमी आज से पहले सरकारी अस्पताल में मरीजों को दिखाकर अपना इलाज करवा लेते थे, वहां भी हर इलाज एवं हर टेस्ट और बेड शुल्क लगाकर लोगों को जानबूझकर मरने को मजबूर किया जा रहा है। इस पूंजीपतियों की सरकार को क्या पता जब किसी के घर में जवान मौत हो जाती है उसकी डेड बॉडी को मोचरी में रखकर परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों को आने का लोग इंतजार कर लेते थे अब उसकी डेड बॉडी घर ले जाकर परिवार के सदस्यों को जीते जी मरने को मजबूर किया, हर आदमी प्रतिदिन 300 मोचरी का शुल्क नहीं दे सकता।

नारनौल। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

विद्या भारती स्कूल में राखी मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में शुक्रवार राखी मेकिंग प्रतियोगिता हुई। इसका शुभारंभ संस्था चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व वाइस चेयरपर्सन डा. उषा यादव ने किया। प्रतियोगिता दो वर्गों (जूनियर व सीनियर) में आयोजित की गई। जूनियर वर्ग में दीपिका पुत्री किरोड़ीमल (कक्षा पांचवीं) प्रथम, शिवानी पुत्री राजकुमार (कक्षा पांचवीं) द्वितीय तथा रोनक पुत्र मनोज (कक्षा पांचवीं) तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार सीनियर वर्ग में योगिता पुत्री नरेन्द्र (कक्षा आठवीं) प्रथम, पूर्वी पुत्री रमेश कुमार (कक्षा छठी) द्वितीय तथा मानसी पुत्री राजेश (कक्षा आठवीं) तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय के किड्स ब्लॉक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी भाई-बहन के प्यार के प्रतीक रक्षाबंधन के कार्यक्रम में खूब आनंद उठाया। इस अवसर पर विद्यालय की वाइस चेयरपर्सन डा. उषा यादव ने बच्चों को संबोधित करते हुए रक्षाबंधन के त्यौहार के महत्व के बारे में बताते हुए भाई-बहिन के पवित्र रिश्ते के बारे में बताया कि भाई को बहन के रक्षा कवच के रूप में बताते हुए रक्षाबन्धन पर्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डा. रविन्द्रा यादव, प्राचार्य विनोद कुमार, उप प्राचार्य सपना मल्होत्रा, किड्स ब्लाक इंचार्ज विजय सोनी ने रक्षाबंधन पर्व पर बच्चों व समस्त स्टाफ को बधाई दी।

सिटी किड्ज वर्ल्ड स्कूल में मनाया रक्षाबंधन का पर्व

महेंद्रगढ़। सिटी किड्ज वर्ल्ड स्कूल में विद्यार्थियों के लिए रक्षाबंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य रचनात्मक कौशल के साथ-साथ नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों में वे सभी संस्कार पैदा करने हैं, जिनकी वर्तमान समय में बहुत आवश्यकता है। प्रतियोगिता में विद्यालय के चेयरमैन विजय सिंह यादव तथा मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन यादव व निदेशिका स्नेह यादव उपस्थित रहे। प्राचार्या विनय यादव ने बताया कि विद्यार्थियों में सभी ने शानदार व सुंदर राखी निर्माण कार्य किया, तत्पश्चात उन्होंने एक दूसरे को राखियां बांधी। मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन यादव ने सभी विद्यार्थियों को पर्व पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है, जिसमें बहनें भाइयों की लंबी आयु की कामना करती हैं। चेयरमैन विजय सिंह यादव ने कहा कि बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं।

महेंद्रगढ़। रक्षाबंधन पर्व मनाते स्कूल के विद्यार्थी।

नारनौल। कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

हेरिटेज विद्यालय में बच्चों ने मनाया रक्षाबंधन उत्सव

नारनौल। उपमंडल कनीना में स्थित हेरिटेज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रक्षाबंधन उत्सव को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने सरस्वती मां की पूजा अर्चना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दसवीं कक्षा की छात्रा वंशिका ने मंच का संचालन किया और समय को इस तरह बांधा सभी कार्यक्रम में लीन हो गए सर्वप्रथम 'मेरी राखी की डोर कभी होना कमजोर' गाने पर बच्चों ने बड़ी ही सुंदर परफॉर्मेंस दी। जिसकी सभी ने सराहना की सातवीं कक्षा की छात्राएं 'भाई ताकत है तू मेरी' गाने पर नृत्य पेश कर सब की तालियां बटोरी। साक्षी ग्रुप ने हरियाणवी गाने 'बेटियों ने खूब पढ़ाइयो' गाने पर एक सुंदर नृत्य पेश किया। तीसरी कक्षा के छोटे-छोटे नन्हे बच्चों ने 'ओ बहना मेरी' गाने पर बहुत ही सुंदर नृत्य पेश किया। इसके पश्चात अंतिम प्रस्तुति सोनल ग्रुप नौवीं कक्षा की छात्राएं जिन्होंने 'ओ वीर मेरे' गाने पर भारत माता की रक्षा कर रहे वीर जवानों के साथ रक्षाबंधन पर मनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके उपरांत विद्यालय प्रांगण में राखी मेकिंग कंपटीशन भी करवाया गया जिसमें नन्हें नन्हें बच्चों ने बहुत ही सुंदर राखियां पेश की, जो दिखने में बहुत ही सुंदर व मनमोहक रही। विद्यालय अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि हमारे रक्षाबंधन मनाने का उद्देश्य क्या है और क्यों हमें रक्षाबंधन के इस बंधे पवित्र रिश्ते को हमेशा के लिए पवित्रता से निभाना चाहिए। अध्यक्ष ने शिक्षिका सुजुकी का धन्यवाद किया। इस मौके पर विद्यालय के उप प्राचार्य सीईओ कैलाश शर्मा, मनीष कुमार, डायरेक्टर खुशीराम शर्मा, प्रधानाचार्य कृष्ण सिंह, सीनियर कोऑर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार, जूनियर कोऑर्डिनेटर सुमन मैम तथा समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

यदुवंशी स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के बुचौली रोड स्थित यदुवंशी शिक्षा निकेतन में रक्षाबंधन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा राखी निर्माण प्रतियोगिता, भाई-बहन अभिनय प्रस्तुति, सांस्कृतिक नृत्य, कविता पाठ एवं रक्षाबंधन पर आधारित नाटय मंचन जैसी गतिविधियां प्रस्तुत की गई।

बच्चों ने रंग-बिरंगी राखियां स्वयं बनाकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बिंदु रहा, जब छात्राओं ने प्रतीकात्मक रूप से अपनी सहपाठी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे विद्यालय परिसर में भाई-बहन के पवित्र संबंध का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत हुआ।

महेंद्रगढ़। राखियां बांधती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन न केवल एक पर्व है, बल्कि यह हमारी संस्कृति में भाई-बहन के प्रेम, त्याग और सुरक्षा के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि आज के युग में ऐसे पर्व हमें अपने पारम्परिक मूल्यों और भावनात्मक संबंधों की याद दिलाते हैं। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

एमआर स्कूल में रक्षाबंधन पर्व का आयोजन

नारनौल। एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा व ताजपुर दोनों ही शाखाओं में शुक्रवार को रक्षाबंधन का पर्व स्नेह और उमंग के साथ मनाया गया। जिसमें स्कूल की छात्राओं ने विद्यालय के छात्रों को राखी बांधकर उनके प्रति अपने स्नेह और शुभकामनाएं व्यक्त की व छात्रों ने सुरक्षा का संकल्प लिया। रक्षाबंधन के पर्व पर स्कूल में राखी मेकिंग, मेंहदी प्रतियोगिता व थाली सजावट की प्रतियोगिताएं करवाई गई, जिसमें तनिष्का, मानसी, भूमिका, भावी, कव्या, रितिका, यशवी, पल्लवी आदि छात्राओं प्रतियोगिताओ में अव्वल रही। छात्राओं ने शिक्षकों के निर्देशन में राखियां बनाई। स्कूल प्राचार्या अनिता यादव ने कहा कि रक्षाबंधन हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्यौहार है जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को समर्पित है। यह त्यौहार सावन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके सुख-समृद्धि की कामना करती है।

सूचना

मैं, सजना देवी पत्नी Ex ASI (GD) दया राम बल क्रमांक-821170554 (के.रि.पु.बल) निवासी गाँव बासडी उप तहसील सतनाली जिला महेन्द्रगढ़ पिन-123024 (हरियाणा) बयान करती हूं कि मेरे पति के रिकॉर्ड में मेरा नाम सज्जना देवी (SAJJANA DEVI) व जन्म तिथि दिनांक 01.01.1966 से बदलकर सजना देवी (SAJANA DEVI) व जन्म तिथि दिनांक 28.12.1960 की जाए। मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड और परिवार की आईडी के अनुसार यही वास्तविक नाम है।

नारनौल। प्रतियोगिता में हिस्सा लेते प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

बीकेएन सिहमा में राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

नारनौल। बीकेएन स्कूल सिहमा में राखी बनाओ प्रतियोगिता हुई। इसमें जूनियर वर्ग से रचित पुत्र शिवकुमार प्रथम, चंद्रकांता पुत्री अजय कुमार द्वितीय व प्रतिमा ने तृतीय स्थान पाया। सीनियर वर्ग से तनुज पुत्री नवीन प्रथम, मनीषा पुत्री नवल द्वितीय, तनीषा पुत्री ललित व नव्या पुत्री पृथ्वी सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्था के प्राचार्य राजेश ने बताया कि राखी प्रतियोगिता से बच्चों में कलात्मक व भावात्मक विकास होता है। जिससे वह भविष्य में इस कला को स्व रोजगार के रूप में भी अपना सकते हैं। जिससे इस क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। जैसे -चीन से हम राखियां और बहुत से आइटम्स आयात करते हैं। उन्होंने बताया कि आज शिक्षा में थ्योरी से ज्यादा प्रैक्टिकल पर ध्यान दिया जाना चाहिए। संस्था के चेयरमैन विजय सिंह ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों को भाई-बहन के इस पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन की बधाई व शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता का आयोजन संस्था के उप प्राचार्य जसवंत सिंह व रीना मैम की देखरेख में किया गया। उप प्राचार्य जसवंत सिंह ने बताया कि बच्चों ने एक से एक सुंदर राखी बनाई, जिससे यह पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्र में भी बच्चों में कुशलता और निपुणता की किसी प्रकार की कमी नहीं है।

यदुवंशी कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

महेंद्रगढ़। शहर के बुचौली रोड स्थित यदुवंशी डिग्री कॉलेज में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने की। संस्था के फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव, ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव का मार्गदर्शन व सानिध्य में राखी मेकिंग प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, नृत्य, संगीत, हिंदी कविता व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की रचनात्मक, आत्मविश्वास और भाषा की सुंदर अभिवयक्ति को देखते हुए कार्यक्रम के निर्णायक मंडल ने उनकी सरहाना की। कार्यक्रम में छात्राओं ने राखी की सुंदर डिजाइन बनाकर भाई बहन के पवित्र रिश्ते की गरिमा को दशार्या।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेती कॉलेज की छात्राएं।

सिहमा में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का मेला 15 से

मंडी अटेली। बाबा खेता नाथ की जन्मस्थली सिहमा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दो दिवसीय विशाल मेला 15 अगस्त से शुरू हो रहा है। वहीं इस मेले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं होंगी। मेले की शुरूआत बाबा खेता नाथ मंदिर के महंत रतवार नाथ के हाथों से रिबन काटकर किया जाएगा। मेला कमेटी व सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव ने बताया कि मेले में कुश्तियां 50 रुपये से लेकर 21 हजार रुपये तक करवाई जाएंगी। मेले में वालीबाल पुरुष प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 51 हजार व द्वितीय को 41 हजार तथा वॉलीबॉल महिला समैसिंग प्रतियोगिता में प्रथम को 31 हजार, द्वितीय को 21 हजार रुपये, तृतीय को 11 हजार एवं चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 71 सौ रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा पुरुष वॉलीबॉल में 19 वर्ग आयु में प्रथम विजेता टीम को 21 हजार व द्वितीय को 15 हजार नगद दिए जाएंगे। पुरुषों की नेशनल कबड्डी 21 वर्ष तक के प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 11 हजार व द्वितीय 71 सौ व 16 वर्ष वर्ग आयु में प्रथम विजेता टीम को 71 सौ व द्वितीय 51 सौ रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। मेले में विभिन्न प्रकार की दौड़ व ऊंची कूद, लंबी कूद प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। मेले में बुजुर्गों की दौड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

मॉडर्न स्कूल में राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रक्षाबंधन के पावनपर्व पर राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कक्षा दूसरी से छठी तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय के डायरेक्टर हुक्मसिंह तंवर मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित थे। जबकि निर्णायक मंडल की भूमिका स्कूल के प्राचार्य प्रदीप कुमार ने निभाई। जानकारी देते हुए प्राइमरी विंग हैड राकेश श्योपूरा ने बताया कि इस प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थियों में भारी उत्साह देखा गया, जिसमें कक्षा पांचवी से जसमीत ने प्रथम, वंशिका ने द्वितीय तथा नंदनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा चैथी से दिशा ने प्रथम, मंसवी ने द्वितीय तथा रोहित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा तीसरी से वंशिका व रिंकू ने संयुक्त रूप से प्रथम, काजल ने द्वितीय व दृष्टि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा कक्षा दूसरी से स्नेहा ने प्रथम, हिमानी से द्वितीय व अनुष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

सरस्वती स्कूल में राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। गांव माजरा कलां स्थित सरस्वती शिक्षा निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रक्षा बंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने काफी उत्साह दिखाते हुए प्रतियोगिता को रोचक बनाया।

बच्चों ने प्रतियोगिता के नियमों का पालन करते हुए घर के सामान जैसे धागे, चार्ट पेपर, सितारे, रंग बिरंगे रिबन, स्पाकर्टल सीट व अन्य सहायक सामग्री का प्रयोग करते हुए काफी सुंदर व मनमोहक राखी तैयार की। अध्यापकों ने राखियों का अवलोकन करते हुए उनकी सराहना की। आरआरसीएम ग्रुप चेयरमैन रोशन लाल यादव ने इस पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रक्षा बंधन का पर्व भाई बहन के रिश्तों की अटूट डोर का प्रतीक है।

DISTRICT COUNCIL FOR CHILD WELFARE BAL BHAWAN,NIZAMPUR ROAD, NARNAUL

REQUIREMENT

Applications invited from eligible candidates for the following posts for the project Integrated Rehabilitation Centre for Addicts(IRCA/DARC), District Mahendergarh, Nizampur Road, Narnaul purely on contractual, temporary and schematic pattern basis upto 31.03.2026:-

Sr No.	Vacant Posts & Number of Posts	Qualification required	Honorarium (p.m.)	Fee
1	Counsellor/Social Worker/ Psychologist (Two)	M.Phill/M.A. in Sociology, Psychology or MSW (preferably with training in de-addiction treatment), Age:-Minimum 21 years & maximum 42 years as on 07.08.2025.	Rs. 17500/-	Only DD/IPO of Rs. 100 infavour of District Council for Child Welfare payable at Narnaul
2	Accountant/Clerk (One)	i) B.Com ii) Having knowledge of computer typing in English and Hindi both. Age: As mentioned above	Rs.12000/-	-do-
3	Nurse (Two)	B.SC or Diploma In Nursing (GNM) with training in drug treatment from recognized institute Age: As mentioned above	Rs.15000/-	-do-
4	Nurse (Additional Staff) (Two)	B.SC or Diploma In Nursing (GNM) with training in drug treatment from recognized institute Age: As mentioned above	Rs.10000/-	-do-
5	Ward Attendant (Three)	12th pass and one year experience to handle drug addiction Age: As mentioned above	Rs.13000/-	-do-
6	Yoga Teacher/ Music Teacher (Part Time) (One)	Possessing Experience of at least three year in the Discipline Age: As mentioned above	Rs.5000	-do-
7	Cook (One)	Three years cooking experience Age: As mentioned above	Rs.10000/-	-do-
8	Chowkidar (One)	Literate Age: As mentioned above	Rs.9000/-	-do-

Eligible candidates may submit their applications in the O/o District Council for Child Welfare, Bal Bhawan, Nizampur Rod, Narnaul with one passport size photograph, self attested copies of educational & experience certificates and requisite fee latest by 18.08.2025 5 PM. Applications received after due date i.e. 18.08.2025 or without fee, shall be rejected. Preference shall be given to local candidates and having experience in the said field. The above vacancies can be increased or decreased due to any reason and the services of selected candidates are extendable.Relaxation in age shall be given as per Haryana Govt. instructions.

District Child Welfare Officer, Narnaul

नप के सफाई कर्मचारी तीन दिनों से काम छोड़ हड़ताल पर थे

चेयरपर्सन ने बकाया एरियर दिलाने का दिया आश्वासन, हड़ताल खत्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों के 16 दिन से चले आ रहे धरने एवं तीन दिन से चली आ रही काम छोड़ो हड़ताल का शुक्रवार को उस समय पटाक्षेप हो गया, जब नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी नप अधिकारियों के अमले के साथ धरना स्थल पर पहुंची और आंदोलनकारी कर्मचारियों से बातचीत की। बातचीत में उन्होंने सफाई कर्मचारियों को बकाया एरियर के लिए, सरकार को लिखने तथा समाधान करवाने का आश्वासन दिया है, जिस पर धरना एवं काम छोड़ हड़ताल खत्म करने का निर्णय लिया गया।

नगर परिषद के आंदोलनकारी सफाई कर्मचारियों ने बताया कि समान काम समान वेतन का गत 3 नवंबर 2017 से एक जून 2023 तक का एरियर बकाया चला आ रहा है। यह एरियर नारनौल समेत जिले की अन्य नगर पालिकाओं के सफाई कर्मचारियों का भी बकाया ही चल रहा है, जो लगभग चार करोड़ रुपये बनता है। उन्होंने बताया कि यह बकाया एरियर प्रदेश की अन्य पालिकाओं के सफाई कर्मचारियों को दिया जा चुका है, लेकिन उनके साथ भारी भेदभाव किया जा रहा है। यहां के अधिकारी बकाया एरियर देने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे। उन्होंने बताया कि इस बाबत वह करीब ढ़ाई साल से बार–बार आंदोलन करते आ रहे हैं। इस बाबत अधिकारियों को लिखित में कई बार ज्ञापन भी दे चुके हैं तथा धरना–प्रदर्शन एवं हड़ताल भी कर चुके हैं, समाधान नहीं किया जा रहा। प्रदेश की अन्य पालिकाओं में सफाई कर्मचारियों को एरियर देने के बावजूद नगर परिषद नारनौल के प्रशासनिक अधिकारी सफाई कर्मचारियों को बकाया एरियर देने से मना कर रहे हैं। इसलिए कर्मचारियों में भारी रोष बना हुआ है। धरना जहां 16 दिनों से जारी है, वहीं तीन दिनों से काम छोड़ हड़ताल की जा रही है।

नारनौल। सफाई कर्मचारियों से बात करने धरने पर पहुंची नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी व नप अधिकारी।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर नप के कार्यकारी अधिकारी मोनिका, डीएमसी पीए कुलदीप, जेई विकास, जेई प्रवीण मलिक, जेई प्रवीण आदि भी मौजूद रहे। जबकि सफाई कर्मचारियों की तरफ से नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह संगेलिया, जिला प्रधान राहुल सारवान, इकाई प्रधान सुरेश कुमार जैदिया, सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेन्द्र बोयत, जिला प्रधान कौशल यादव, सचिव महावीर प्रसाद, रामौतार दरोगा, प्रताप सिंह दरोगा, राजू दरोगा, महेंद्र चौहान, रमेश कुमार, गिरधर दरोगा, देवानंद, राजू, रोशन, दीपक, आशु, धर्मेंद्र, संतलाल, राजेश, रमन, विजय, मनोज, सुनील बोयत, आदि मौजूद रहे।

यह बोली चेयरपर्सन

चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने कहा कि वह अपने स्तर पर बकाया एरियर दिलाने का प्रयास करेंगी। यहां से बकाया एरियर की फाइल बनाकर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी और हमारा प्रयास रहेगा कि उस फाइल को पास करवाकर जल्द से जल्द एरियर का पैसा दिलवा जाए। इस मौके पर कर्मचारियों की अन्य मांगों वर्दी, आई कार्ड, वॉशिंग अलाउंस के दौरान की गई पांच दिन की हड़ताल का पैसा दिलाने तथा पक्के एसीपी का लाभ देने की मांग भी उठाई गई, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

राव सुल्तान सिंह स्कूल धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन पर्व

महेंद्रगढ़। गांव निम्बेहड़ा स्थित राव सुल्तान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बच्चों ने रानी कर्णावती और हुमायूं की कहानी पर आधारित एक लघु नाटिका का मंचन किया, जिसमें रानी कर्णावती ने हुमायूं को रक्षा सूत्र भेजकर अपनी रक्षा करने के लिए कहा और हुमायूं ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। इस नाटिका में कनिका ने रानी कर्णावती और विशाल ने हुमायूं की भूमिका निभाई। संस्था प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने रक्षाबंधन के महत्व और इतिहास के बारे में बताया। जिसमें त्रेता युग से द्वापर युग तक की कहानियों के माध्यम से बच्चों को इसका महत्व समझाया। उन्होंने रक्षा सूत्र बांधने के मंत्र भी बच्चों को बताया। राखी बनाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा चौथी से पांचवी और छठी तक के बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते स्कूल स्टाफ सदस्य।

गैलेक्सी स्कूल के विद्यार्थियों का सराहनीय प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। गांव बवानियां स्थित गैलेक्सी स्कूल की छात्राओं ने खंडस्तरीय प्रतियोगिता में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्राचार्य करन सिंह ने बताया कि स्कूल की छात्रा देवना ने एथलेटिक्स (लॉन्ग जंप तथा जैवलिन थ्रो) दोनों खेलों में अंडर 17 कैटेगरी में प्रथम स्थान हासिल किया। स्कूल पहुंचने पर चेयरमैन दरियाव सिंह तथा पूरे स्टाफ द्वारा फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया तथा मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। प्राचार्य ने बताया कि स्कूल में समय-समय पर खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है जिससे छात्रों का मनोबल बढ़ता है। चेयरमैन दरियाव सिंह ने बताया कि खेलकूद हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

आरआरसीएम स्कूल में हुई राखी प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। कस्बा कनीना स्थित आरआरसीएम स्कूल में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर राखी प्रतियोगिता का प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। ग्रुप वन में कक्षा तीसरी एवं चौथी ग्रुप दो में कक्षा पांचवी एवं छठी ग्रुप तीन में कक्षा सातवीं आठवीं के अनुसार आयोजित हुई। ग्रुप वन में प्रथम स्थान चौथी कक्षा की छात्रा दिव्यांशी, द्वितीय स्थान चौथी कक्षा की छात्रा नव्या एवं लैविश तथा तीसरा स्थान नमन ने प्राप्त किया। ग्रुप दो में कक्षा छठी से परिधी एवं कक्षा पांच से अंश ने प्रथम स्थान, कक्षा छठी से माही ने दूसरा एवं कक्षा छठी से निधि में तीसरा, ग्रुप तीन में कक्षा सातवीं से पायल ने पहला, कक्षा सातवीं से हिंद और यशवी ने दूसरा तथा हैप्पी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चेयरमेन रोशनलाल यादव ने बताया कि समय-समय पर इस प्रकार के प्रतियोगिताएं करने से बच्चों में उत्साहवर्धन भी होता है एवं बच्चों की प्रतिभा निखरकर सामने आती है।

विजय स्कूल में राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। गांव बलाना स्थित विजय इंटरनेशनल स्कूल में राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय सचिव महेंद्र सिंह द्वारा मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्ज्वलित करके की गई। इस प्रतियोगिता में स्कूल के छोटे बच्चों ने भाग लिया और सुंदर राखियां बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। राखी बनाओ प्रतियोगिता में रितिका, कार्वी, ऐशा, धैर्य, ईशु, दीपिका, रिया, लविशा, टिंकल, पीहू, खुशी, लवी, दक्ष, कार्तिक, तन्वी, अनन्या, अनाया, उत्कर्ष और मानवी ने अपनी बनाई राखियों से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के चेयरमैन विजय यादव टूमना ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से सभी बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने बताया कि यह त्योहार बहन के प्यार और अटूट रिश्ते का त्योहार है। इस अवसर पर विद्यालय चेयरमैन विजय यादव टूमना, सचिव महेंद्र सिंह, प्रिंसिपल नत्थू सिंह, वाइस प्रिंसिपल अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

ज्ञानदीप विद्यालय में रक्षाबंधन पर्व पर कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। गांव सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में रक्षाबंधन का पर्व परंपरा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद मंच पर एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। छात्र-छात्राओं ने राखी गीत, कविताएं, देशभक्ति गीत और लघु नाटिका के माध्यम से भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की महत्ता को जीवंत किया। राखी मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग जैसे रचनात्मक कार्यक्रमों में बच्चों ने अपनी कला और कल्पनाशक्ति का अद्भुत प्रदर्शन किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा एक-दूसरे को राखी बांधने का दृश्य सभी को भावविभोर कर गया। विद्यालय के संस्थापक रामसिंह यादव एवं चेयरमैन रूपराम यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह आपसी प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संकल्प है।

नारनौल। विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

श्रीकृष्ण स्कूल में थाली डेकोरेशन व राखी मेकिंग में दिखाई प्रतिभा

- राखी मेकिंग में दिशांत, विहान, तनवी, अभिनव एवं सानवी ने प्रथम स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्रीकृष्ण सीनियर सैकेण्डरी स्कूल भुंगारका में रक्षा बंधन के पावन पर्व के अवसर पर कक्षा तीसरी के बीच राखी मेकिंग व चौथी कक्षा में थाली डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं कक्षा पांचवी में निबंध लेखन व ड्राईंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राखी मेकिंग प्रतियोगिता में विहान, तनवी, दिशांत, अभिनव एवं सानवी ने प्रथम स्थान हासिल किया। थाली डेकोरेशन प्रतियोगिता में यश, आरवी एवं प्रीती ने प्रथम स्थान हासिल किया। कक्षा पांचवी में रक्षा बंधन पर प्रस्ताव लेखन व ड्राईंग प्रतियोगिता में रूचिका ने प्रथम स्थान, चहक ने दूसरा तथा ईशिका व पारूल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राईमरी हैड उमा यादव ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों की प्रशंसा की। प्राचार्य वेदपाल यादव, चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने सभी बच्चों को बधाई दी।

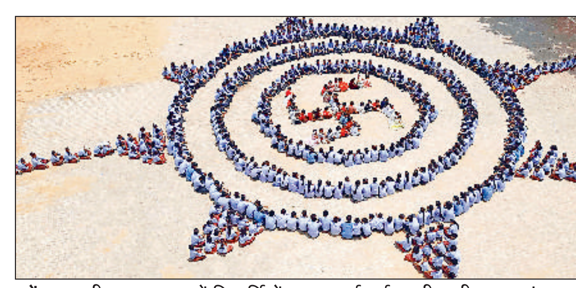

महेंद्रगढ़। बीरआर स्कूल में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई राखी रूपी मानव श्रृंखला।

बीआर स्कूल में विद्यार्थियों ने बनाई मानव शृंखला

- रंग-बिरंगे परिधानों में मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव सेहलंग स्थित बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल रक्षाबंधन धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय प्रांगण में मुख्य अतिथि चेयरमैन हरीश भारद्वाज तथा विशिष्ट अतिथि प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गई।

एलकेजी, यूकेजी, पहली व दूसरी कक्षा के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। कक्षा तीसरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने अपने हाथों से आकर्षक राखियां एवं पोस्टर बनाकर भाई-बहन के पवित्र बंधन को रचनात्मक रूप दिया। चेयरमैन हरीश भारद्वाज को राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर एक स्वास्तिक आकृति वाली विशाल राखी का निर्माण किया।

पूर्व राज्यपाल को राजकीय सम्मान नहीं देने पर रोष

- बार एसोसिएशन ने राष्ट्रपति के नाम डीसी को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक को अंतिम संस्कार के दौरान सरकार द्वारा राजकीय सम्मान नहीं देने पर जिला बार एसोसिएशन ने नाराजगी जाहिर की है तथा इसके विरोध में राष्ट्रपति के नाम डीसी डा. विवेक भारती को एक ज्ञापन सौंपकर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एवं उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

जिला मुख्यालय बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एडवोकेट मंजीत यादव मांदी ने बताया कि यह ज्ञापन प्रस्तुत कर अत्यंत दुख एवं खेद व्यक्त करना चाहते हैं कि गत 6 अगस्त को स्वर्गवासी हुए पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक के अंतिम संस्कार में सरकार द्वारा राजकीय सम्मान नहीं दिया गया। यह निर्णय न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह उनके द्वारा राष्ट्र व राजकीय सेवा के प्रति असम्मानजनक भी प्रतीत होता है। सतपाल मलिक ने अपने कार्यकाल के दौरान देशहित एवं लोकसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह अपेक्षित है कि जिन्होंने उच्च संवैधानिक पदों पर रहते हुए राष्ट्र की सेवा की हो, उन्हें अंतिम यात्रा में राजकीय सम्मान प्रदान किया जाए। इसलिए हमारा अनुरोध है कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में ऐसे अपमानजनक स्थिति की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

उन्होंने बताया कि स्वर्गीय सतपाल मलिक को मरणोपरांत उपयुक्त राजकीय सम्मान देने हेतु केंद्र सरकार द्वारा कोई सांकेतिक/अनुपूरक सम्मान समारोह आयोजित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एवं परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की भी मांग की। क्योंकि उनके पद छोड़ने की घोषणा के बाद न ही उनके बारे में देश की आम जनता को कोई जानकारी है और न ही वह कहीं दिखाई दे रहे हैं।

नारनौल। ज्ञापन सौंपते बार एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

बीजेआरडी में निःशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन कैंप लगाया

महेंद्रगढ़। शहर के रिवासा फ्लाईओवर के समीप स्थित बीजेआरडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में निःशुल्क आंखों की जांच एवं आपरेशन कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व रिबन काटकर किया गया। कैंप के मुख्यातिथि स्कूल चेयरमैन राजपाल यादव थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शीला यादव ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रमेश यादव थे। मंच संचालन सुरेश सैनी ने किया। संबोधन में बिजेंद्र यादव ने आंखों की देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला और नियमित जांच की आवश्यकता बताई। सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक चले इस कैंप में रीति आई केयर अस्पताल रेवाड़ी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. हरपाल, डॉ. अमित, डॉ. मुकेश, डॉ. करमवीर और डॉ. ममता ने 485 मरीजों की आंखों की रोशनी, मोतियाबिंद, आंखों के परदे आदि की जांच की। मरीजों का निःशुल्क आपरेशन, चश्मे, दवाइयां और परामर्श प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय कमेटी की ओर से सभी अतिथियों, डॉक्टरों, पत्रकारों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते स्कूल स्टाफ सदस्य।

हैप्पी स्कूल में राखी व थाली सजाने की प्रतियोगिता करवाई

महेंद्रगढ़। शहर के डुलाना रोड स्थित हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी बनाओ और थाली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया। प्राइमरी विंग में राखी बनाओ प्रतियोगिता तथा मिडल विंग में थाली सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना और उनकी सृजनात्मकता को मंच देना भी है। संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल ने कहा कि हमारा विद्यालय न केवल शिक्षा में, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों की शिक्षा में भी अग्रणी है। कार्यक्रम का समापन पर विजेताओं को स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

राव सुल्तान सिंह किड्स प्ले स्कूल में मनाया रक्षाबंधन पर्व

महेंद्रगढ़। गांव निम्बेहड़ा स्थित राव सुल्तान सिंह किड्स प्ले स्कूल में रक्षाबंधन पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। संस्था चेयरपर्सन सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रही। उन्होंने नन्हे मुन्नों को राखी बनाते और बांधते देखकर अपने बचपन की यादें ताजा की और बताया कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्यार का प्रतीक है। सुषमा यादव ने रक्षाबंधन के महत्व और इतिहास के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें राजा बलि और वामन की कथा और सुभद्रा और श्रीकृष्ण की कहानी शामिल है। विंग हेड स्नेहालता ने कहा कि यह आयोजन न केवल रक्षाबंधन के महत्व को उजागर करता है, बल्कि बच्चों में भाई-बहन के प्यार और स्नेह की भावना को भी मजबूत करता है।

नारनौल। राखियां बनाते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

नन्हे-मुन्नों ने बनाई राखियां

नारनौल। शहर के मौहल्ला मिश्रवाड़ा स्थित लिटिल चैंमप्स प्ले स्कूल में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शुक्रवार राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी छात्राएं अपने घर से राखी बनाने के लिए आवश्यक सामान लेकर आए। जिसमें विद्यालय के नन्हें मुन्नें बच्चों ने सुंदर-सुंदर राखी बनाकर सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय की मुख्य अध्यापिका आशा मान ने बताया कि विद्यालय में आज छात्राओं के द्वारा स्कूल मे फुल वाली राखी, चंदन वाली राखी तथा छोटा भीम जैसे बच्चों के प्रिय पात्र के स्टिकर लगाकर भिन्न-भिन्न प्रकार की डिजाइनों की राखियां बनाई गई। चयनित छात्रों में तन्वी सोनी, दुर्गांशी, हंसिका सोनी, सिद्त खुशी चौधरी, समायरा, पारुल सोनी आदि छात्राएं प्रमुख रहीं। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर शालू सैनी, निशा सैनी, रिंकी संगी, रंजना सोनी व कुंता आदि अध्यापिकाएं मौजूद रही।

नारनौल। रक्षाबंधन पर्व मनाते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा स्कूल ने मनाया रक्षाबंधन पर्व

नारनौल। मौहल्ला चैधरीयान स्थित हरियाणा सीनियर सैकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। इस मौके पर राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सुन्दर एवं आकर्षक राखियां बनाकर अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन किया। राखी बनाओं प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में रिशिका ने सबसे सुंदर राखी बना कर प्रथम स्थान हासिल किया। अनोखी ने द्वितीय तो ऋतिक व रिया ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी कड़ी में सीनियर वर्ग से चंचल ने प्रथम स्थान, यशिका व दीपिका ने संयुक्त रूप से द्वितीय तो अंशु व दिव्यांशी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में छात्राओं ने कक्षा 11वीं के छात्र गौरव सैनी को सबसे ज्यादा राखी बांधी। जूनियर वर्ग में छात्र खवाईश को सबसे ज्यादा राखी बाँधी गई। इसके लिए दोनों छात्रों को पुरस्कृत किया गया। विजेता छात्राओं को विद्यालय चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा एवं निदेशिका संगीता शर्मा ने पुरस्कृत करते हुए कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार श्रावन पूर्णिमा में मनाया जाता है, यह भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व है। राखी का धागा हमारे भीतर आत्मविश्वास भरने के साथ-साथ रक्षा के संकल्पों को याद दिलाता है। भाई इस अवसर पर अपनी बहन को उपहार एवं बहन की रक्षा का वचन देते है। इस मौके पर प्राचार्य अवनीश कुमार, संजय कुमार, रामनिवास डीपीई, अशोक यादव, मुकेश, नरेश कुमार, दीपक कुमार, शुभराम यादव, दीपक, लोकेश कुमार, वन्दना सैनी, अल्पना शर्मा, लक्ष्मी चैहान, सुमन सैनी आदि समस्त अध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राचीन एवं सांस्कृतिक विरासत की रक्षा में सरकार की ओर से महत्वपूर्ण कदम

नागपुरिया बावड़ी को किया संरक्षित स्मारक घोषित

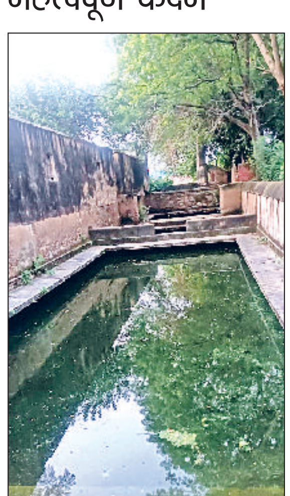

नारनौल। नागपुरिया बावड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार ने जिला महेंद्रगढ़ के नारनौल शहर में स्थित 18वीं शताब्दी की नागपुरिया बावड़ी को 'हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964' के तहत एक संरक्षित स्मारक के रूप में अंतिम रूप से अधिसूचित किया है। यह कदम क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

विरासत तथा पर्यटन विभाग द्वारा 15 जुलाई, 2025 को जारी अधिसूचना संख्या 12/250-2024/पुरा/3117-25 के माध्यम से यह घोषणा की गई है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने बताया कि नागपुरिया बावड़ी का ऐतिहासिक महत्व नागपुरिया बावड़ी 18वीं शताब्दी में नारनौल के स्थानीय व्यापारियों द्वारा बनाई गई थी, जो बाद में नागपुर चले गए थे। यह बावड़ी प्राचीन भारतीय वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो अपनी सीढ़ीदार बनावट के लिए जानी जाती है, जो आगंतुकों को पानी के स्रोत तक ले जाती है। इसकी तीन मंजिला इमारत जटिल नक्काशी से सुसज्जित है, जो उस युग के कलात्मक कौशल और स्थापत्य परिष्कार को दर्शाती है।

संरक्षण का उद्देश्य

इस अधिसूचना के माध्यम से, बावड़ी को अब पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा की राज्य सुरक्षा के तहत लाया गया है। यह संरक्षण सुनिश्चित करेगा कि बावड़ी की ऐतिहासिक और स्थापत्य अखंडता बनी रहे, और इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जा सके। यह नारनौल के ऐतिहासिक महत्व को उजागर करने और विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने का भी काम करेगा। अंतिम अधिसूचना की प्रतियां आवश्यक कार्रवाई के लिए विभिन्न सरकारी विभागों को भेजी गई हैं, जिनमें उपायुक्त, जिला राजस्व अधिकारी, उपमण्डल अधिकारी नागरिक, तहसीलदार नारनौल और नगरपालिका के कार्यकारी अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अधिसूचना की प्रतियां अशोक कुमार परिचर, छत्ता राय बाल मुकुंद दास, नारनौल को वितरित और स्मारक पर चिपकाने के निर्देश के साथ भेजी गई हैं, ताकि इसकी अनुपालन रिपोर्ट विभाग को सौंपी जा सके। डॉ. विवेक भारती ने कहा कि नागपुरिया बावड़ी जैसी ऐतिहासिक संरचनाओं का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह कदम न केवल इस अनूठी बावड़ी को बचाएगा बल्कि नारनौल के गौरवशाली अतीत को भी उजागर करेगा।